

शास्त्रज्ञान कायदिलिख देवी कामकाजाची वेळा

महाराष्ट्र गालन,  
सायांन्य पुस्तकालय  
गालन निर्मित, कृष्णल : संग्रह-१०८८/१४/अठरार[र.व. ३०.],  
संखलय, कुर्हा-४०० ०३२.  
दिवाक : ३१ अगस्ट, १९८८.

- वाचा :** १. शासन पारिकल, लायन्स प्रशासन विभाग, कुमांड-सम्पर्क-  
२०८५/६५/१८[र.प.का.], दि. २३ जून, २०८५.  
२. शासन पारिकल, सामाजिक प्रशासन विभाग, कुमांड-सम्पर्क-  
२०८५/६५/१८[र.प.का.], तिथीक १२ फेब्रुवरी, २०८५.

માર્ગદર્શિકા

भारतीय शासनिका ५ नंदगांवका आठवडा दिनांक १ जुलै, १९८५ पालन  
लागू हरए दिनके शासनको अधिकारी, अधिकारी, भारत संसद, भारत विधान प्रशासन उपचारण, उपचारण-  
सम्बन्ध-१०८४/६४/१८[र.व. का.], इसांक १३ जुलै, १९८५ अन्यथे लाढण्यात् आज्ञा तदेह  
अदेह लाढण्यात् आवश्यक्तिहृते कारी राजीवील ऐसे स्पष्टीकरणात्मक अदेह शासन  
पारिवहन, भारतान्य प्रशासन उपचारण, उपचारण-१०८४/६४/१८[र.व. का.], दिनांक  
१३ जून १९८५, १९८५ अन्यथे लाढण्यात् उल्लेख,

३१. शान्तिन लाला जसे गाडेण नेव आहे ती, पूर्वी ज्या प्रश्नासाठीय काढलियांना  
५ ती वलापांथा आल्यडा वरील टाडेणापृथक्कै जागू देला आहे असति शास्त्राची 'हर्व-  
प्रश्नासाठीय काढलिये, असती' १ नम्हीर, २२८८ यातून प्रत्येक माहिन्याच्या उत्सवां  
३ खाचिया शान्तिन री बंद राज्यातील व दूसरे हर्व शान्तिनाराठे पर्यं केळ घाल राज्यातील.

શાસ્ત્રિયના પ્રાચીનત્ય। કેવું અધ્યાત્મમણે રાહતીલ મનો-

१८५ दुर्गाप्रसादीने वासमीठ कायालियार्थी बास्कालार्थी देख सोमवार में पानियार तकाळों ३० प्रा. ते सायंकाळी ५.३० पर्यन्त राहील।

[३] छुट्टीनुवार्षीय शासकीय कायलिये वगळन झारखंड शासकीय लायलियांची पैतृ सोमवार ते शनिवार तकाळी २०० हे पंचम पर्यंत राहील.

[१०] बुद्धमुनिकीर्ति शास्त्रीय कार्यस्थानील विपायोगभाषी लाभादी तेज  
श्रीमवार ने शनिवार सकारी १०.३० ते आर्यकाळी ६.४५ रातीत.

[८] शुद्धन्युवर्द्ध लगभग इतने शासकीय कागजियां तीन शिपाथांताठी कामाची वेळ सीमवार ते शमिकार तकाची ८३५ ते हार्यकाळी ६३० पर्यंत राही.

[६] लाप्तिका न देखे वो जाकी इसी अधि कामी राहि

२० ज्या भावी होयेहि निराखणा उद्धविम पिंडा शैलोगिक चिकित्सा  
उपचार सम्पूर्ण हो, तो जनक्षया विह अत्यादेष्य प्रश्नो तमधल्या जातात  
उपचार किंसों या शारीर विहार बहुत हो, तक निकेतने याना है ऐदेख तागु  
ज्यापारं नाही. उपचार किंसों याती लोका जोडलो आहे. ही यादी फैक्ट  
प्राचीन इतिहास [ रुद्रायुष ] आहे, सार्वजनिक [ रुद्रायुष ] आहे.

गहरा रात्रिये राज्यालय यांच्या वाढीला तुलार न दाखाने,

25

[ श्री. डॉ. गंगाधर तिळक ],  
हायिन्द्रपुर, ह. व. र. प. एट. ], महाराष्ट्र शासन.

५०८, राज्यालयी, अस्सी,

कुल्लार्क्कर्मि विवेचन,  
कृष्णनाथ कर्मि विवेचन, श्रीमद्भगवत्/श्रीमीय सदाचार्य,

१०८

भारत द्वारा दर्शन,  
भारत द्वारा पूर्ण दर्शन,

काली रात्रि का विषय है। इसका अर्थ यह है कि जब भी आप एक विशेष विषय पर लेखन करते हैं तो उसका विषय आपकी जीवनी से निपटा जाता है।

1944, 37(6) 72-121 (Engl. translat.).

ପରିବାର, ମୁଖ୍ୟ କାନ୍ତିକାଳୀଙ୍କ ଅଧିକାରୀ ହେଲାମୁଁ, ଯେତେବେଳେ

१९३१, अगस्त द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व,

卷之三

卷之三十一

2. 1977-78. 500. 1000.

新嘉坡總理，新嘉坡總理，新嘉坡總理

१९४३ वर्षात् देशी विद्युति उपलब्ध करने वाली एक नई विद्युति संस्था गोदावरी विद्युति बोर्ड (गवर्नमेंट ऑफ़ गोदावरी, चंडीगढ़) घोषित की गयी।

३५ अधिकारकालीन, गोपीनाथ, श्रीराम, विष्णु, शंख, चक्र, द्वारा देवता के नाम हैं।

१८५३-१८५४ वर्षात् इस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा ब्रिटिश सरकार द्वारा अधिकारी नियुक्ति प्राप्त करने वाले उपर्युक्त वर्षों के लिए इस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा देखाये गये विवरणों का अधिकारी नियुक्ति प्राप्त करने वाले उपर्युक्त वर्षों के लिए इस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा देखाये गये विवरणों का

संग्रहालय, बंगलुरु [३०/२० प्रति],

卷之三

३४८

श्रावण परिपत्रक, श्रावणन्य प्रापात्मा १०३०, नों-८५८०/१७/१८८८, र. ल. १०३०  
दिनांक २७ अगस्त, १९८८ चे नोंम-

卷之三

प्रात्येक दैर्घ्यम् ।

दापोडी, लातारा, याधि औरिं वर्षाश्वा-  
अकोला, अष्टमस्तुता, गोटी, खडकशास्त्रा, भाग व नविं येतील प्रादेशिक  
लकड़ा.

नागपुर येथील शास्त्रीय वैद्यकर्मी शशीशास्त्रा, हे एवढ येणील कर्मशास्त्रा, वाढिंधारे व उत्तराधिकारी अंगठीसम दिलाव झोळावा येणील काळावरील पुकळ्यावरील गुणावित आरक्षापत्र, स्पांतरेतील अंगठी/अंगठापत्र आरक्षापत्रा, लाग्याच्युथी आरक्षापत्रा द लोकेशारी आरक्षापत्रा इति येणील कामगारा/कर्मगारी, सार्वजनिक आरक्षोळ्य विभाग.

ਲੋਕਿਤ ਇੰਡੀਪੁਣ, ਸਾਲ ੮੦

ਮਤਸਾਲ ਵ ਧਰੀ ਰਾਮਗ.

बलारंगा, परत्तपाड़ा व हहापू येंगिल शक्तिशुल घट्टे, अल्लापल्ली येंधील भास्त्रीय गालीकी तो बीज, विगारीय दन आप्पारी [वाइकू व उधापार], दंडिया आमदार, तात्त्वित परत्तपाड़ा व बलारंगा येंगिल कृष्णांप, चारलीय शिमापाल नरेंद्री उधिगिय, दमे-

Digitized by srujanika@gmail.com

आमदारीय प्रतिक्रिया देखेंगा आपको आपना जीवन-

लाल व लड्डा र दिल्ली

कुरुतात् विद्युत् विभागां रूपं वारशाला अधिकारीयं लागूः स्वेच्छा दृष्टि  
वो ए.

Digitized by srujanika@gmail.com

तीव्र रूप से विद्युत विद्युतीय संचारकालीन उद्दर्श्य पेपरों मुद्रणालय.

1100734592010

कांगड़ा, रुद्रप्रयाग/वालिहालये, पौलीह काश्मीर, पाण्डिपुरवठा इफल्प्य/योजना-  
दीवा/मुक्ति संस्था,

श्रावणीम् लक्ष्मीपराम्, वैष्णवीपि विद्या वदात्मे, शारदा, तिवनिकेतन.